

ईएसआईसी उप-क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम ने विश्व हिंदी दिवस पर हिंदी कार्यशाला, संगोष्ठी और कवि सम्मेलन का किया आयोजन

गुरुग्राम ,12 जनवरी: विश्व हिंदी दिवस-2026 के उपलक्ष्य में कर्मचारी राज्य बीमा निगम उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम में हिंदी कार्यशाला सह संगोष्ठी एवं कवि सम्मलेन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री कुमार पाल शर्मा, संयुक्त निदेशक(कार्यान्वयन), भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली एवं कार्यालय अध्यक्ष श्री सुनील यादव की अध्यक्षता में सरस्वती वंदना के साथ पंचदीप प्रज्ज्वलित कर किया गया | कार्यालय प्रमुख ने शॉल, प्लांट पॉट और श्रीफल भेंटकर मुख्य अतिथि महोदय का स्वागत एवं आतिथ्य सत्कार किया |

विश्व हिंदी दिवस-2026 की थीम “हिंदी: पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक” के आधार पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यालय प्रमुख द्वारा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया गया | तदुपरांत प्रतिभागियों द्वारा कविता, गीत, गज़ल आदि के साथ सांस्कृतिक गतिविधियां भी प्रस्तुत की गई |

कार्यक्रम के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से कार्यालय की प्रशासन शाखा को अंतर-शाखा कार्यालयी राजभाषा चल शील्ड योजना के अंतर्गत शील्ड एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया | इसके साथ ही कार्यालय प्रमुख द्वारा श्री सचिन सिंह उप निदेशक को हिंदी डिक्शनरी योजना, वर्ष 2024-25 के अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विश्व हिंदी दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री कुमार पाल शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाना है जो कि इसके प्रचार-प्रसार से ही संभव हो पाएगा | अतः हम सब को मिलकर हिंदी के लिए सदैव तत्पर एवं कार्यरत रहना है | उन्होंने कहा कि अपनी सरलता, सहजता और विपुल साहित्यिक विरासत के साथ हिंदी आज सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यमों और आधुनिक तकनीक की भाषा के रूप में निरंतर सशक्त हो रही है। अपने वक्तव्य को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि विविधता में एकता ही हमारे देश की पहचान है और इस पहचान का माध्यम है हिंदी | अतः हमें मन, वचन और क्रम से हिंदी को अपनाना चाहिए |

कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और हमारे दिल के सबसे करीब है। इसलिए हमें हिंदी का सम्मान करना चाहिए

और इसके अधिक से अधिक प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हमारे निगम का हिंदी से गहरा संबंध है। निगम की नींव बीमाकृत व्यक्तियों की भाषा पर आधारित है, जो मुख्य रूप से हिंदी और उसकी विभिन्न बोलियाँ हैं। अतः हमें अपने मन से हिंदी को अपनाना चाहिए।

तदुपरांत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गुरुग्राम के तत्वाधान में आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिता के विजताओं को प्रमाण-पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया ।

हिंदी कार्यशाला सह संगोष्ठी के प्रतिभागियों को कार्यालय प्रमुख एवं मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए । मंच संचालन श्री बिरजू सिंह, अनुवाद अधिकारी द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. स्वीटी यादव, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने मुख्य अतिथि, कार्यालय प्रमुख, एवं उपस्थित अधिकारियों का उनकी सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि विश्व में हिंदी की पहचान और महत्व के उद्देश्य को अपने में समेटे हुए यह दिवस न केवल राष्ट्रभाषा के गौरव की गूंज करता है बल्कि इसके समृद्ध इतिहास को भी सामने लाता है ।
